



Hearty Welcome !

**Jeevodaya Society
Nehruganj (behind Janta Talkies)
Itarsi, 461111, MP.**



About Jeevodaya:

Jeevodaya literally means *Jeevan* “Life” and *Udaya* means “Rise”. In Sanskrit it denotes rising life.

"जीवन" और "उदय" के योग से बना है जीवोदय जो संस्कृत में यह बढ़ते जीवन को दर्शाता है।



Our Vision: हमारी दृष्टि:

To build a just society where every child enjoys basic rights in the world of globalisation and exclusion.

एक ऐसा न्यायपूर्ण समाज का निर्माण करना जहाँ हर बच्चा वैश्वीकरण और बहिष्कार की दुनिया में अधिकारों का आनंद लेंगे।

Our Mission : हमारा लक्ष्य

- To uphold human dignity by working towards child rights and advocacy through a process of early intervention at the platform and provide residential accommodation to rehabilitate and mainstream to society in an improved economic and social level.
- बाल अधिकार एवं मानव गरिमा का समर्थन करने हेतु एक ऐसी प्रक्रिया की पैरवी की रेल्वे प्लेटफार्म से शुरुआत करना और पुनर्वास प्रक्रिया द्वारा बच्चों की सामाजिक और आर्थिक गरिमा को बेहतर बनाकर उन्हें समाज की मुख्य धारा में जोड़ना है।

What is Value मूल्य & Principal सिद्धांत

- Value is a gain, profit, merit, advantage, effectiveness, importance and significance of my existence.

मूल्य मेरे अस्तित्व का एक लाभ, योग्यता, प्रभावशीलता, और महत्व है।

- Principle is the standards of my behaviour, my judgement , what is important in life and ethics.

सिद्धांत मेरे व्यवहार, मेरे निर्णय, जीवन और नैतिकता में क्या महत्वपूर्ण है, के मानक हैं।

Why Value , Principle/ हमें मान और सिद्धांत की आवश्यकता क्यों है,

- Why Because our values inform our thoughts, words and actions, because they help us to grow and develop. They help us to create the future we want to experience.

क्योंकि हमारे मूल्य हमारे विचारों, शब्दों और कार्यों को सूचित करते हैं, क्योंकि वे हमें बढ़ने और विकसित करने में मदद करते हैं। वे उस भविष्य को बनाने में हमारी मदद करते हैं जिसे हम अनुभव करना चाहते हैं

- In our workplace values and culture are the guiding principles to determine our goals and help us to achieve it.

हमारे कार्यस्थल में मूल्य और संस्कृति हमारे लक्ष्यों को निर्धारित करने और इसे प्राप्त करने में हमारी सहायता करने के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत हैं।

Culture संस्कृति, रेती रेवाज़

- **Culture is a 'way of life' of a groups of people, the way they do things. Different groups may have different cultures. A culture is passed on to the next generation by learning.**
- संस्कृति लोगों के समूह का 'जीवन जीने का तरीका' है, जिस तरह से वे चीज़ें करते हैं। विभिन्न समूहों में अलग-अलग संस्कृतियाँ हो सकती हैं। एक संस्कृति को अगली पीढ़ी को सीख कर पारित किया जाता है।



Our Core Values & Principals: हमारे मुख्य मूल्य और सिद्धांत:

➤ Integrity; ईमानदारी

➤ Inclusion ; समावेश

➤ Respect for all religion ; सभी धर्मों के प्रति सामान
व्यवहार

➤ Zero tolerance on child abuse; बाल शोषण पर सख्त
कार्यवाही

➤ Justice ; न्याय

➤ Simplicity ; सरलता

➤ Accountability ; जवाबदेही

➤ Transparency ; पारदर्शिता

➤ Punctuality ; समय की पाबंदी

Our Organizational Culture:

- **Democracy;** जनतंत्र
- **Participatory approach;** सहभागी दृष्टिकोण
- **Unity in Diversity;** अनेकता में एकता
- **Internationality;** अंतर राष्ट्रीयता
- **Simplicity in lifestyle;** जीवन शैली में सरलता
- **Development of of Life;** जीवन का निर्गमन
- **Eco Friendly;** पर्यावरण हितैषी
- **Hospitality;** अतिथि-सत्कार
- **Flexibility;** लचीलापन;

Our legal entity:



- **Jeevodaya Society registered under Society Registrikaran Adhiniyam, 1973 on 26th March 2001, Registration no. *BHS 9070/2001*;**
- ***Has a valid FCRA*;**
- **Jeevodaya acquired license from WCD, to run a children's home for boys and girls Juvenile Justice Act 2000, on 8th June 2011;**
- **Possess a valid PAN ID *AAAAJ0933A*;**
- **Possess a Valid TAN ID *BPLJ01893D*;**
- **Eligible to provide 80G certificate;**
- **Eligible to provide 12AA certificate;**

इतिहास/History

- इटारसी (Itarsi) मध्य प्रदेश प्रान्त का एक शहर है जो कि होशंगाबाद जिले के अन्तर्गत आता है। इटारसी के नाम के उत्पत्ति इट और रस्सी शब्द के संयोग से हुई है इसका कारण प्राचीन काल में इन उद्योगों की अधिकता होना था और रेलवे जंक्शन के लिए भी प्रसिद्ध है।
- प्रतिदिन 125 से अधिक ट्रेनें, देश के पूर्व, पश्चिम दक्षिण और उत्तर भागों से गुजरती हैं। और ट्रेनों में बच्चे भी सफर करते हैं। उनमें से कुछ बच्चे जो अपने परिवारों या समाज से परेशानियों के कारण प्लेटफार्म को ही अपना घर बना लेते हैं, इनके लिए स्टेशन में कोई सुविधा भी नहीं होती थी,
- वर्ष 2000 के पहले ऐसे बच्चों के लिए सरकार के पास कोई नीति या कार्यक्रम भी नहीं था। वर्ष 1999 के दौरान, इटारसी रेलवे स्टेशन पर 100 से अधिक बच्चे रहते थे, इन बच्चों के बाल और नाखून काटने, कपड़े बदलने, स्नान करने, किसी तरह से कमाए पैसे बचत करने की कोई सुविधा नहीं थी।

इतिहास/History

- अपना पेट भरने के लिए ये बची गंदे कपड़े पहने खाली पानी की बोतलों को भरकर बेचते थे, अपनी शर्ट या झाड़ से टेनों को साफ किया करते थे या यात्रियों से भीख मांगने का काम भी करना पड़ता था, तंबाकू के पाउच, मंगफली, पाप-कार्न और अन्य चीजें भी बेचनी पड़ती थी। उन्हें अपने साथ रहने वाले समूह के दबाव, यौन शोषण जैसी चुनौतीअ थी।
- पुलिस और विक्रेता उनके साथ जानवरों की तरह उनके साथ शोषण, पिटाई करते थे, पूरी तरह इनका भविष्य अंधकार में था। उन्हें प्लेटफार्म पर जेब काटना, चीरी और अपराध करने के लिए जिम्मेदार भी बनाया गया था।
- 1999 में Sr. क्लारा, सेंट जोसेफ की एक सिस्टर बच्चों की यह स्थिति देख व्याकुल और चिंतित थी और बच्चों के लिए अपनी सेवा समर्पित करके किसी तरह से इन बच्चों की समस्या को दूर करने के उपाय खोजने लगी।
- सिस्टर ने प्लेटफार्म पर ही बैठकर इन बच्चों को पढ़ाना शुरू किया। बच्चे अपने हाथों में स्लेट, कलम और कॉपी लेकर इकट्ठा होने लगे। वे अपने पैसों को बचाकर पढ़ने, लिखने और गाना करने लगे। इस तरह बिना पैसे

इतिहास/History

- लेकिन बच्चों में यह विश्वास था कि भगवान ही उनका निर्माता है और वही उनके लिए कुछ अच्छा करेगा। यह प्रयास और खबर प्लेटफार्म में चारों ओर फैल गई कि एक सिस्टर प्लेटफार्म के बच्चों को पढ़ा रही है।
- रेलवे स्टेशन पर काम करने वाले भी आश्चर्य में थे और सोचने लगे कि सिस्टर को उनके काम में कैसे मदद की जाए।
- वर्ष 2000 में "रेलवे मजदूर यूनियन इटारसी" ने अपने कार्यालय को बच्चों के कल्याण की गतिविधियों के लिए प्रदान किया। प्रतिदिन औसतन 80 से 90 बच्चे आते थे। इस छोटी सी शुरुआत ने सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों और हर जिले में एक एसओपी बनाने के लिए सरकार और रेलवे बोर्ड को जागृत किया ताकि देखभाल और सुरक्षा के लिए बच्चों की आवाज़ को पहचानने के लिए बाल संरक्षण इकाई हो।
- जीवोदय अपने समर्पित और प्रतिबद्ध कर्मचारियों के साथ बच्चों



The humble beginning of Jeevodaya dates back to 1999 with Sr. Clara reaching out to a 12 years old boy.





In the year 2000 West Central Railway Employees Union, Itarsi offered a room in the office which was utilised as a drop in center.



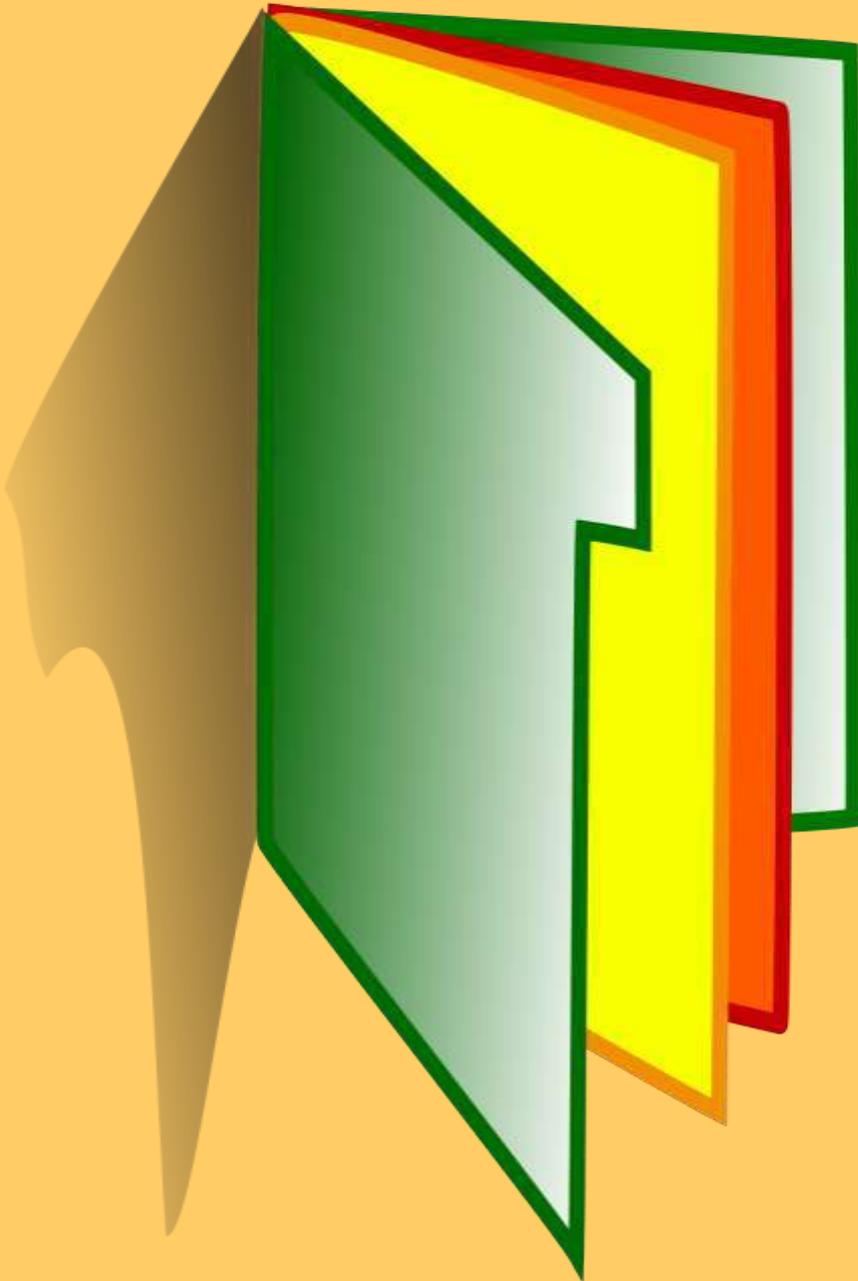
In the year 2000 Nagarpalika Itarsi allowed us to use their premises as night shelter. Thanks to Action Aid for financial support.

Jeevodaya

Ensuring holistic child development



26th March 2001
Jeevodaya
registered as a
Society under
The Madhya
Pradesh Society
Registrikan
Adhiniyam, 1973





In 2001 Children's home (boys Today it is Girls) established with the help of Butterfield a funding agent from U.K.



In 2003 West Central Railway Women Welfare Organisation Itarsi offered their “Balwadi” to be utilised as Day/Night care shelter.



In 2004 West Central Railway Women Welfare Organisation gave us a shed as Day/ Night care shelter in Jabalpur (Jagrati)

Jeevodaya

Ensuring holistic child development



RAILWAY
children
Fighting for street children

**In 2003 Railway Children financially Supported Jeevodaya till
May 2017.**



In 2007 Children's home (Girls) established with the support of Railway Children.



In 2009 Children's home (boys) shifted to Bangaliya. The proposed construction was supported by Consulate of Japan, HSBC bank, British Airways, Butterfield and Railway Children.



Jeevodaya

Ensuring holistic child development



In 2011 both homes recognised by Women and Child Development Department, Madhya Pradesh.



THE MIRACLE FOUNDATION



In 2014 The Miracle Foundation USA financially supported the grooming and medical of the children in both the homes.



In 2018 CHILDLINE FOUNDATION INDIA CHD AT THE RAILWAY PLATFORM 1098.



Child Help Desk (CHD)
Established in 2018





In 2019 CATALYSTS FOR SOCIAL ACTION



Jeevodaya

Ensuring holistic child development



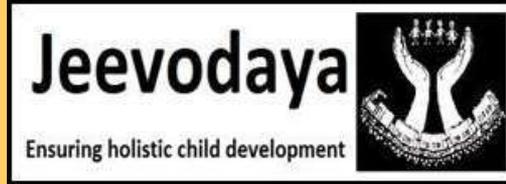
Children's home SPARC



Children's home Chirag



Our Partners:



We are humbly thankful to our donors:

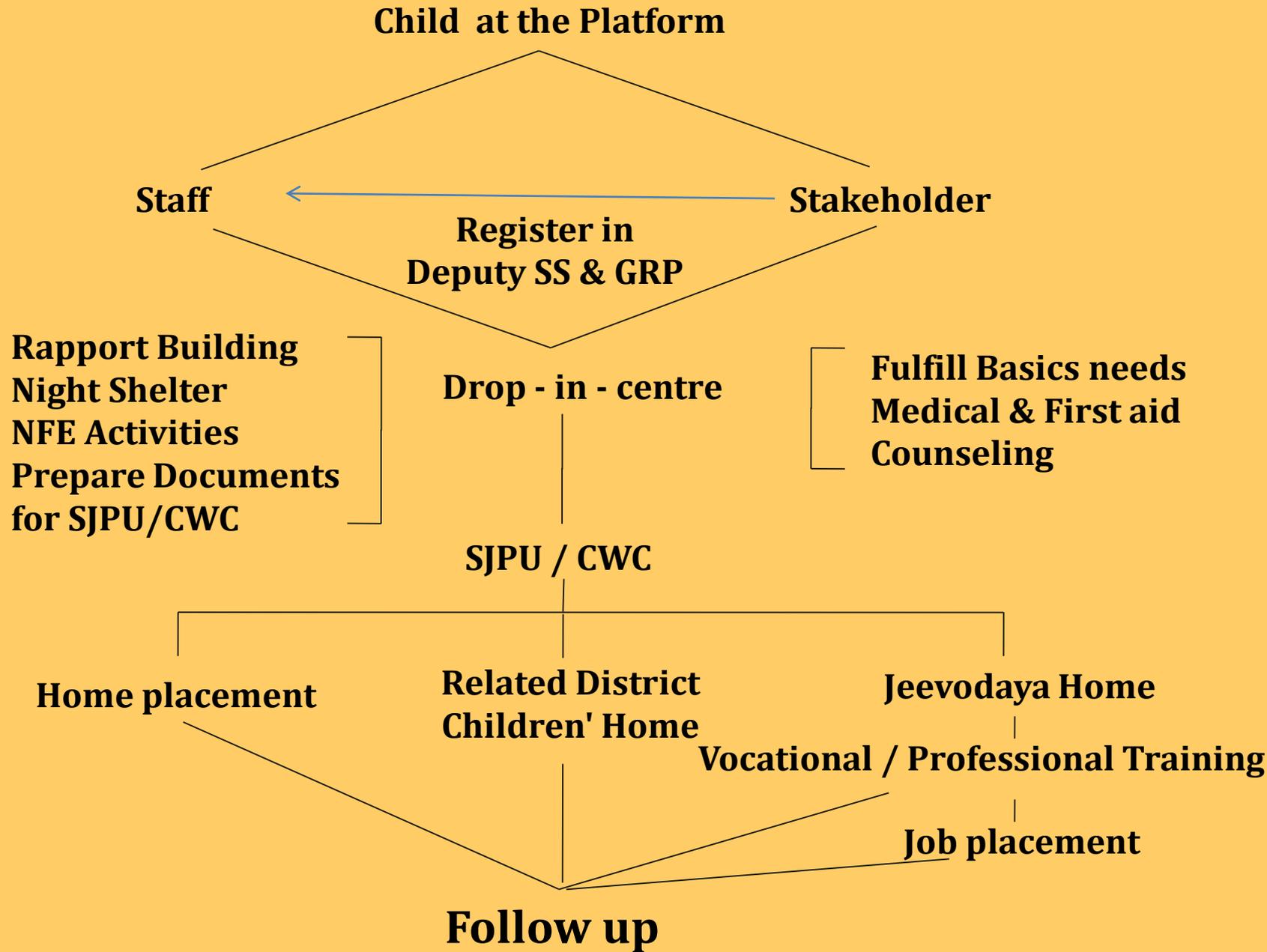
- Les Enfants de Jahangirabad, France;
- Sisters of St. Joseph of Orange .US
- Butterfield's Edward Johnson Trust, UK;
- MISSEREOR;
- CHILDLINE India Foundation;
- Catalyst for Social Action;
- WCD





Jeevodaya Railway CHILDLINE & Samyog

Jeevodaya is recognised by CHILDLINE India Foundation to implement Standard Operating Procedure (SOP) at Itarsi Station through Railway CHILDLINE service in January 2018. It's a new Project for Jeevodaya which is jointly initiated by Ministry of Women and Child Development and Indian Railways. The objective of the project is to rescue children from the Railway station, as per Railway SOP guideline, and reintegrate them with society collecting information and produce before Child welfare committee, according to Juvenile Justice Act 2015.



After Care Program



Govinda Mory passed out ITI in Electrician and working as a maintenance staff in Vardhman Fabrics , Budhni.

Devisingh Dhurve secured his ITI certificate and employed in Jeevodaya boy`s home Itarsi.



Rajit Gandhi finished his ITI course and working as a mechanic in Mahindra Motors , Delhi.

Gargi Shankar finished his Diploma course in Hospitality and working in Infosys, Pune.



Manish Tiwari is pursuing his college studies.



Sourabh Soni is working as a OT Assistant at Reva Nurshing home , Hoshangabad.





Bhurelal Dhurve is pursuing his college studies and working as an outreach worker in Jeevodaya.

Ashwin Nagde secured his ITI certificate and employed as a mechanic in Mahindra Motors, Gurgaon.



Suraj Babu is working as an office boy in ICICI bank, Delhi.



Gouri Shankar finished his ITI as Electrician and working at Pune .



Vimal finished his Diploma course in Hospitality and working in house keeping dept at Sentoza Resort, Pune.



Rahul Raman worked as a Spa helper in Shirdi.





Dilip Dutta is pursuing his Diploma course in electronic and working as a receptionist in Infosys, Pune.



Saddam Khan is working in a call Center , Bhopal

Manoj Thakur is working in Chandrapur.

Ashok Gandhi is pursuing MSW and doing as a sales Executive in Delhi.



Rajnikant Verma is pursuing his Degree course in Mass communication from GSS university Bilaspur.



Yogesh Chourey is pursuing BE from Tubra Institute of Engineering Bhopal .



Aman Dyal is pursuing his graduation and started a travel agency in Bhopal.

Anil Marskole is pursuing his graduation , Bhopal

Yunus is working in Vivanta by Taj Blue Diamond, Pune.

Nandilal Dhurvey completed his ITI and working in Vardhman , Himachal pradesh .

Aakash Patel completed his computer course and working as a computer operator, in Bhopal.

Vishal Vishwakarma studying Restaurant and Institutional Management at Tripide College Nagpur.



Major Achievements



- July 20th 2016 Udaan Center opened in collaboration with ASP Hoshangabad.
- 1st Jan 2018 Railway CHILDLINE 1098 started in partnership with CIF.
- 29th Sept 2018 Child Help Desk inaugurated at Platform by MP Rao Udhaya Pradap singh & MLA Sitasharan Sharma.
- Nov. 2015 Arjun got selected to play International Soft ball pacific Game, Australia and left on 20th Nov. 2015.
- 2019 April Arjun participated in the world championship at Lonato, Italy and World Cup at, Schedule, Germany.
- Jan 2020 Office renovation work began at SPARC.
- April 2020 Catalyst for Social Action (CSA) new partnership began .
- June 2020 to May 2020 Covid Ration distribution in partnership with Jiv Daya organization from Delhi.
- 17th July 2020, 5 KV solar installed in both home EREDA . CSR

Major Achievements



- Total contacted Children – 30,000.
- Children rescued – 8945
- Children reunified – 3064
- Children rehabilitated in other organisations – 883
- 122 youth received vocational training in different trade e.g. Electrician, Motor mechanic, Welding, Hotel Management, hospitality etc.
- 135 youth are job placed in different place for welding, electrician, housekeeping staff, Motor mechanic etc.
- Presently 25 girls and 30 boys are residing at Jeevodaya homes.
- 02 Boys and 02 girls are in Madhya Pradesh Sports Academy Bhopal for Shooting.
- Arjun Thakur played Pacific International School games 2015 -16 in Adelaide.
- 06 children (Arjun, Gubbu, Aman, Nandilal, Sandhya and Parvati) got the passport.
- Gubbu Shankar attended 15 days shooting training camp in Italy.
- Gubbu Shankar won Bronze Medal in National Shooting Games in Jan 2015 in Kerala and honored by Chief minister of Madhya Pradesh.
- 03 girls were linked successfully with Sponsorship Schemes.
- In 2016-17 , 06 Addicted youth from Itarsi Platform mainstreamed into the society.
- Solar Panels installed in both homes under the CSR project of BHEL.
- 10 platform families linked with Self Help Group.

Awards & Accolades:



- ✓ **Mother Teresa Award by Vipin Joshi Samarak Itarsi in 2003.**
- ✓ **Best Social worker Award by Senior Citizen Manch Itarsi in 2004.**
- ✓ **Mother Teresa Award by Cheers Club Itarsi in 2004.**
- ✓ **International Women's Award by WCRWWO, Itarsi in 2005.**
- ✓ **Empowered Women's Award by Narmadanchal Welfare Society , in 2006.**
- ✓ **Dedicated Social Worker Award by District Congress Committee Ekta Parisad in 2007.**
- ✓ **Municipal Corporation Itarsi Honored Jeevodaya for its dedicated Social Service to Itarsi Town in 2008.**
- ✓ **Best Social Worker Award by Asha Pawar in Remembrance of Mr. Pawar the journalist in 2008.**
- ✓ **Ordinance Factory Itarsi Honored Jeevodaya for Its Best Social Work in 2014.**
- ✓ **Women For Change Jalsa Award Mumbai in 2015.**
- ✓ **Excellent work award by Dainik Bhaskar Group Hoshangabad in 2017.**



**Thank you
for having a patience
listen**

Visit us at:

website: www.jeevodaya.org.in

email: director@jeevodaya.org.in

phone: 09425040188